

रमेश पुं. (तत्.) लक्ष्मी पति विष्णु काव्य. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः नगण, यगण, नगण और जगण (न य न ज) के योग से 12 वर्ण होते हैं।

रमैनी स्त्री. (तद्.) 1. कबीरदास के ग्रंथ बीजक का एक भाग 2. रमण कराने वाली 3. बार बार गुणगान, गुणानुवाद।

रमैया पुं. (तद्.) राम, ब्रह्म, परमात्मा, घट-घट में रमण करने वाला।

रम्य वि. (तत्.) रमणीय, सुंदर, मनोहर, मनभावन, मनमोहक।

रम्याख्या पुं. (तत्.) उपन्यास, प्रेमलीला, प्रेमकथा, अतिरंजना, अत्युक्ति। romance

रम्योद्यान पुं. (तत्.) रमणीक उद्यान, सुंदर उपवन।

रम्हाना, रंभाना अ.क्रि. (तत्.) 1. गाय का बोलना, गाय का शब्द, ध्वनि करना 2. गाय को बोलने के लिए प्रवृत्त करना।

रय पुं. (तत्.) 1. वेग, नदी का प्रवाह, धारा, बहाव 2. उत्साह (तद्.) रज, रेणु, धूल, पराग।

रयन स्त्री. (तद्.) रैन, रात्रि, रजनी।

रयवारा पुं. (तद्.) रजवाड़ा, राजा।

रयि स्त्री. (तत्.) धन, संपत्ति पुं. अग्नि।

ररंकार पुं. (तत्.) रकार, र वर्ण या उसकी ध्वनि।

ररकना पुं. (अर.) रडकाना, कसकना, सालना, पीड़ा देना।

ररभि स्त्री. (तत्.) 1. किरण, अंशु 2. रस्सी, डोरी 3. घोड़े की लगाम, बागडोर, रास 4. चाबुक।

ररिहा वि. (देश.) 1. रट लगाने वाला 2. रट लगाकर मांगने वाला 3. सिरियाने वाला 4. झगड़ालू, विवादी पुं. ररुआ नामक पक्षी।

ररी वि. (देश.) 1. शर करने वाला, झगड़ा करने वाला, झगड़ालू 2. बार-बार मांगने वाला 3. अधम, नीच।

रलना अ.क्रि. (तद्.) 1. मिलना, एकाकार होना, घुलमिल जाना 2. निमग्न होना, डूबना 3. सैर सपाटा, विहार करना 4. आमोद-प्रमोद करना।

रलमल पुं. (देश.) रलने मिलने की क्रिया या भाव मिलकर, घुलना मिलना।

रली स्त्री. (तद्.) 1. विहार, क्रीड़ा 2. आनंद, सुख 3. प्रसन्नता।

रल्ल पुं. (देश.) 1. रैला, धक्कम-धक्का 2. धावा 3. शोर गुल।

रवगुणांक पुं. (तत्.) किसी इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का उसी प्रकार के मानकयंत्र के अनुपात में ध्वनि निर्गम।

रव पुं. (तत्.) 1. शब्द, ध्वनि 2. क्रंदन, चीख, चीत्कार 3. गाना, पक्षियों की कूजन ध्वनि, चहकना।

रवकना अ.क्रि. (तद्.) 1. दौड़ना 2. उमगना, उछलना उदा. यह अतिप्रबल श्याम अति कोमल रवकि-रवकि उरपरते -सूरदास।

रवन्ना पुं. (फा.) 1. वह कागज जिस पर रवाना किए गए माल का विवरण लिखा होता है 2. रवाना होने तथा माल ले जाने का अनुमति पत्र।

रवशामक वि. (तत्.) इंजी. एक ऐसा उपकरण जो इंजिन आदि के शोर को अत्यधिक कम कर देता है।

रवाँ वि. (फा.) 1. बहता हुआ, प्रवाहित, चलता हुआ 2. अभ्यस्त।

रवा पुं. (देश.) 1. बहुत छोटा टुकड़ा, कण, दाना 2. सूजी 3. बारूद का दाना वि. (फा.) उचित, उपयुक्त, ठीक, प्रचलित।

रवाज पुं. (फा.) परिपाटी, प्रथा, चलन, रस्म, रीति, देखे-रिवाज।

रवादार् वि. (फा.) 1. संबंध या लगाव रखने वाला, हितैषी, शुभ चिंतक 2. जिसमें कण या दाने हों, रवेवाला।

रवानगी स्त्री. (फा.) रवाना होने की क्रिया अथवा भाव, प्रस्थान।